**भारत सरकार**
**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**
**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या: 2784**

**दिनांक 17 मार्च, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

**टी.बी. का उन्मूलन**

**2784. श्रीमती कविता मलोथू:**
**डॉ. वेंकेटेश नेता बोरलाकुंता:**
**श्री विनोद लखमशी चावड़ा:**
**डॉ. जी.रणजीत रेडडी:**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश से टी.बी. रोग को समाप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करने की समय-सीमा क्या है और अब तक इस लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाने के क्या कारण हैं;
(ख) हाल ही में शुरू किए गए प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान से वर्ष 2025 तक देश से टी.बी. रोग को किस हद तक समाप्त करने की संभावना है और इस संबंध में क्या रूपरेखा तैयार की गई है; और
(ग) उन व्यक्तियों, गैर-सरकारी संगठनों, कारपोरेटों आदि कीसंख्या का ब्यौरा क्या है जिन्होंने इस संबंध में नीतिगत निर्णय के प्रारंभ के बाद से देश से टी.बी. रोग को समाप्त करने में योगदान दिया है?

**उत्तर**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)**

(क) सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) कार्यान्वित करती है। वैश्विक लक्ष्यों से पांच वर्ष पूर्व, वर्ष 2025 तक टीबी से संबंधित सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ, कार्यक्रम निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ लागू किया गया है: -

1. टीबी रोगियों का शीघ्र निदान, गुणवत्ता सुनिश्चित औषधियों और उपचार नियमों के साथ शीघ्र उपचार।
2. निजी क्षेत्र में परिचर्या की मांग करने वाले रोगियों के साथ जुड़ना।
3. उच्च जोखिम/कमजोर आबादी में सक्रिय मामलों का पता लगाने और संपर्क ट्रेसिंग सहित रोकथाम रणनीतियां।
4. वायु जनित संक्रमण नियंत्रण।

वैश्विक टीबी रिपोर्ट, 2022 के अनुसार, भारत में टीबी की घटनाएं वर्ष 2015 में 256 प्रति लाख आबादी से 18% घटकर 210 प्रति लाख आबादी हो गई हैं, जो 11% के वैश्विक औसत से 7 प्रतिशत अंक बेहतर है।

(ख) और (ग) प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान दिनांक 9 सितंबर, 2022 को टीबी रोगियों को सामुदायिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य टीबी रोगियों को अतिरिक्त पोषण, नैदानिक और व्यावसायिक सहायता प्रदान करना, उपचार के परिणामों में सुधार के साथ-साथ रुग्णता और मृत्यु दर को कम करना है। प्रमुख पहल और उपलब्धियां (दिनांक 14.03.2023 तक) निम्नानुसार हैं:

1) कुल 71,460 नि-क्षय मित्र अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए 10 लाख सहमति वाले टीबी रोगियों को गोद लेने के लिए आगे आए हैं। इसमें 46217 व्यक्ति, 2515 गैर सरकारी संगठन, 1201 कॉर्पोरेट, 776 सहकारी समितियां, 6814 निर्वाचित प्रतिनिधि और राजनीतिक दल, 5593 संस्थान और 8344 अन्य श्रेणियां शामिल हैं।

2) नि-क्षय 2.0 पोर्टल विकसित किया गया है और समुदाय के लिए नि-क्षय मित्र के रूप में पंजीकरण करने के लिए सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया गया है।

3) इस पहल को लागू करने के लिए मार्गदर्शन दस्तावेज विकसित किए गए हैं और सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किए गए हैं।

4) कॉर्पोरेट्स, उद्योगों, व्यापार संघों और गैर सरकारी संगठनों के साथ राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर पक्ष समर्थन बैठकें

5) पहल में माननीय राज्यपालों और उपराज्यपालों की सक्रिय भागीदारी

6) राज्य/जिला स्तर पर सभी हितधारकों का क्षमता निर्माण किया गया है और आवधिक समीक्षाएं की गई हैं।

*******